an>

Title: Need to provide the allocated share of water of Son River to Bihar under Bansagar agreement and initiate pending work in Kadvan Reservoir Project.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : बिहार के बक्सर, कैमूर, रोहतास और भोजपुर जिलों की भूमि अत्यधिक उपजाऊ है और खेती ही यहां की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। सोन नहर प्रणाली यहां की कृषि भूमि की सिंचाई का मुख्य साधन है। बाणसागर जलाशय के निर्माण के बाद सोन नदी के पानी के उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार राज्यों के बीच बंटवारे के लिए बाणसागर समझौता किया गया था जिसकी मुख्य बात यह थी कि बिहार राज्य की सोन नहर प्रणाली के लिए इन्द्रपुरी बैराज पर पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा और खेतों की सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता को प्राथमिकता दी जाएगी। परंतु, उत्तर प्रदेश द्वारा बार-बार समझौते का उल्लंघन किया जा रहा है, जिसके कारण बाणसागर तथा रिहन्द जलाशय का संचालन न्यायोचित ढंग से नहीं हो रहा है और बिहार को अपने हिस्से का पानी नहीं मिल पा रहा है। जल के प्रवाह में कमी के कारण महत्वाकांक्षी कदवन जलाशय योजना जो केन्द्र सरकार द्वारा 1987 में स्वीकृत की गई थी, का निर्माण कार्य भी लंबित है। इस क्षेत्र में कृषि और कृषक संकट में हैं और सिंचित क्षेत्रों को भी न तो रबी और न ही खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पाता है।

इसलिए केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि बाणसागर समझौते के तहत बिहार को आबंटित पानी की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर किया जाना सुनिश्चित करे ताकि इस क्षेत्र में फसलों को बर्बाद होने से बचाया जा सके। साथ ही कदवन जलाशय की लंबित योजना का कार्य अविलम्ब प्रारम्भ किया जाए जिससे बिहार के बक्सर सहित सम्पूर्ण शाहाबाद, औरंगाबाद, गया, पटना के लाखों किसान लाभांवित हो सकें।